रविवार
20 अगस्त 2023

पृष्ठ 4

घुटने के दर्द की अब चिंता नहीं

पृष्ठ 5

टीआईएफएफ 2023 में होगा थैंक यू फॉर कमिंग का वर्ल्ड प्रीमियर

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 193
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सबसे अधिक ज्ञानी वही है जो अपनी कमियों को समझकर उनका सुधार कर सकता हो।
— अज्ञात

दूनवैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बस खाई में गिरी, सात लोगों की मौत, 28 घायल

संवाददाता

देहरादून/उत्तरकाशी। उत्तरकाशी में गंगोत्री हाईवे पर गंगनानी के पास यात्रियों से भरी बस खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 28 घायल हो गए। शवों को निकाला जा चुका है। समाचार लिखे जाने तक हादसे के 28 घायलों को रेस्क्यू किया जा चुका था।

जानकारी के अनुसार, बस संख्या यूके-07-8585 यात्रियों को लेकर गंगोत्री से उत्तरकाशी की ओर आ रही थी। शाम करीब 4 बजे गंगनानी के समीप बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। जिला आपदा प्रबंधन के अनुसार अब तक 28 घायलों को रेस्क्यू किया गया है। घायलों को उपचार के लिए 108 एंबुलेंस से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, 7 शव बरामद हो चुके हैं।

पुलिस के मुतबिक हादसे में सात श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गयी। मरने वाले सभी लोग गुजरात के भावनगर जिले के रहने वाले थे। पुलिस के अनुसार दुर्घटना के समय बस में चालक और परिचालक समेत 35 व्यक्ति सवार थे। दुर्घटना की सूचना पाकर पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ के दलों ने मौके पर पहुंचकर बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया तथा घायलों को खाई से निकालकर एंबुलेंस के जरिए उत्तरकाशी जिला अस्पताल पहुंचाया। 28 घायलों में से 11 को गंभीर चोटें आयी हैं, जिन्हें बेहतर उपचार के लिए एम्स, ऋषिकेश भेजा गया है।उधर, उत्तरकाशी के डीएम अभिषेक ने अस्पताल में घायलों का हालचाल जाना, उन्होंने मृतकों और घायलों के परिजनों को गुजरात में सूचना भिजवा दी है। गंभीर रूप से कुछ घायलों को आज देहरादून या एम्स ऋषिकेश में शिफ्ट किया जा सकता है।

मां के हत्यारे बेटे को आजीवन कारावास

हमारे संवाददाता

पौड़ी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश पौड़ी की अदालत ने मां की हत्या के दोषी बेटे को आजीवन कारावास की सजा और 50 हजार का जुर्माना लगाया है। इस मामले में अदालत ने बीते शुक्रवार को आरोपी को दोषी करार देते हुए सजा पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। इस मामले में दूसरे बेटे ने पुलिस को तहरीर दी थी। जिस पर पुलिस ने आरोपी बेटे के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मामला पौड़ी थानाक्षेत्र के पाबौ चौकी का है। जिला शासकीय अधिवक्ता प्रदीप भट्ट ने बताया कि पाबौ चौकी क्षेत्र के सिमखेत गांव के अजय कुमार ने तहरीर दी कि उनके भाई विकास ने 19 मार्च 2019 को अपनी मां और मेरे पर जानलेवा हमला किया। मां के सिर पर पत्थर मारा और घायल किया। साथ ही चाकू से भी वार किया और मां की कमर पर चोट आ गई। जिस पर उन्हें पौड़ी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया। डाक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर किया और अगले दिन उनकी मां कमला देवी

की मौत एम्स ऋषिकेश में हो गई। 21 मार्च 2019 को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया और निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया। पुलिस ने इस मामले की विवेचना के दौरान अलग-अलग आरोप पत्र अदालत में दाखिल किए। जिला एवं सत्र न्यायाध ीश आशीष नैथानी की अदालत ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आरोपी बेटे विकास पुत्र स्व. यशपाल सिंह को मां का हत्या का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास व 50 हजार का जुर्माना लगाया है। अभियोजन की ओर से इस मामले में 21 गवाह प्रस्तुत किए गए।

पंजाब के शिक्षा मंत्री को सांप ने काटा

अमृतसर। पंजाब एक बार फिर बाढ़ की चपेट में है। प्रदेश के 7 जिलों के 89 गांव बाढ़ के पानी में डूब चुके हैं। होशियारपुर, अमृतसर, कपूरथला, रोपड, तरनतारन, फिरोजपुर और गुरदासपुर में बाढ़ का असर ज्यादा दिखाई दे रहा है। रोपड़ जिले में प्रदेश के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस भी बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए पहुंचे थे।

इस दौरान अचानक एक सांप ने उन्हें काट लिया। शिक्षा मंत्री ने खुद ट्वीट करते हुए इस घटना की जानकारी दी। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'भगवान की कृपा और लोगों के प्यार और आशीर्वाद से मैं अब ठीक हूं। जहर का असर कम हो रहा है, और मेरा रक्त परीक्षण भी सामान्य आया है। आपको बता दें कि जहर की वजह से शिक्षा मंत्री के पैर में सूजन आ गई थी। हालांकि अब स्थिति ठीक है।आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने भी उनसे मुलाकात की है।

चलती बस में लगी आग, 20 लोग जलकर खाक

कराची। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भीषण सड़क हादसा हुआ है। रविवार सुबह प्रांत के पिंडी भट्टियां शहर में एक बस में आग लग गई। इस बस में लगी आग में 20 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 7 लोग घायल हुए हैं।

बताया गया है कि हादसे का शिकार हुई बस में 40 से ज्यादा लोग सवार थे। बस के जलने की एक तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें आग निकलते हुए देखा जा सकता है।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया है कि जिस बस में आग लगी है, वो राजधानी इस्लामाबाद से कराची जा रही थी। रेस्क्यू में जुटे अधि कारियों का कहना है कि ये हादसा तब हुआ, जब बस पिंडी भट्टियां के पास पहुंची। यहां पहुंचने पर बस में अचानक आग लग गई। बस में से आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठ रही थीं। आग इतनी ज्यादा भयानक थी कि पूरी की पूरी बस जलकर खाक हो गई है।

पुलिस का कहना है कि बस अपनी रफ्तार से गुजर रही थी, तभी इसकी टक्कर एक पिक-अप वैन से हो गई। इस वैन में बड़ी मात्रा में डीजल भरा हुआ था। यही वजह थी कि टक्कर के तुरंत बाद बस में आग लग गई। ये हादसा इतना भयानक था कि इसमें लगभग एक दर्जन से ज्यादा लोगों को अपनी जान गंवाई पड़ी है।

घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है।

उत्तर कोरिया कर रहा युद्ध की तैयारी!

श्रुति व्यास

क्या युद्ध ही हर समस्या का हल है? क्या हम मनुष्य युद्ध के बिना रह ही नहीं सकते? ऐसा ही लगता है।अब दुनिया को एक नए इलाके से युद्ध के नगाड़ों की आवाज़ सुनायी दे रही है। ये नगाड़े बज रहे हैं उत्तर कोरिया में जहाँ के सुप्रीमो किम जोंग उन ने सेना के सबसे बड़े जनरल को चलता कर दिया है और हथियारों का उत्पादन और सैनिक अभ्यास बढ़ाने का हुक्म दिया है। जाहिर है यह जंग की तैयारी है। कोरियन सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी (केसीएनए) के मुताबिक किम जोंग ने बुधवार को जो बैठक बुलाई थी उसका एजेंडा था युद्ध की तैयारी। किम ने हथियार बनाने के कई बड़े कारखानों का दौरा किया, जिसके बाद वे पूरी तरह युद्ध की मुद्रा में आ गए।

अमेरिका को शक है कि यूक्रेन में चल रहे युद्ध को लड़ने में रूस की मदद करने के लिए उत्तर कोरिया उसे तोप के गोले, राकेट, मिसाइलें और अन्य असलहा सप्लाई कर रहा है। पिछले महीने उत्तर कोरिया ने एक विशाल डिफेन्स एक्सपो का आयोजन किया था। इस मौके पर एक बड़ी परेड भी हुई। उस समय कोरिया की यात्रा पर आये रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु को किम उनके देश के सबसे नए और सबसे आधुनिक हथियार, जिनमें शामिल हैं बैलिस्टिक मिसाइलें और जासूस ड्रोन, बनाने के कारखानों में ले गए। परेड में भी आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान वहां रूसी और चीनी अधिकारी थे।

सरकारी मीडिया के मुताबिक किम जोंग ने हाल में लगातार तीन दिनों तक हथियारों के बड़े कारखानों का निरीक्षण किया। इनमें क्रूज मिसाइलों के इंजन बनाने वाले कारखाने शामिल थे। उन्होंने आव्हान किया कि हथियारों का उत्पादन बढ़ाया जाना चाहिए।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया का संयुक्त सैन्य अभ्यास 21 से 24 अगस्त तक होने जा रहा है। उत्तर कोरिया का दावा है कि इस तरह के अभ्यास उसकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं और दरअसल, उस पर हमले की रिहर्सल हैं। इस बीच उत्तर कोरियाई गणतंत्र की स्थापना के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 9 सितम्बर को सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त नागरिकों की परेड निकाली जाएगी।

इसमें कोई शक नहीं कि दुनिया और उसकी आम चाहतों से दूरी बनाये रहने के बावजूद, उत्तर कोरिया की सैन्य ताकत में ज़बरदस्त वृद्धि हुई है। महामारी के दौरान उत्तर कोरिया को एक दुर्ग में बदल दिया गया था। चीन के साथ सीमा को सील कर दिया गया था, सीमा पर एक नयी बाड़ लगा दी गई थी और उसे पार करने की कोशिश करने वालों को तुरंत गोली मार देने का हुक्म था। वहां पर्यटकों की आवाजाही पर भी कई तरह की रोके हैं और केवल चुनिंदा देशों के लोगों को आने दिया जाता है। महामारी भले ही खत्म हो गयी हो परन्तु उत्तर कोरिया ने अपने दरवाजे अब भी बंद कर रखे हैं। चीनी और रुसी अधिकारियों, जिन्हें बाकायदा बुलाया जाता है, के अलावा हाल का एकमात्र अनापेक्षित मेहमान वह अमरीकी सैनिक था जो रास्ता भटक कर उत्तर कोरिया में पहुँच गया। बाकी दुनिया से दूर रहने और उनके देश पर तरह-तरह के प्रतिबंधों के बाद भी किम जोंग के पास धन की कोई कमी नहीं है और उनका न्यूक्लियर कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह बात अलग है कि देश के आम नागरिक भूख और कुपोषण से मर रहे हैं। दुनिया उन्हें और उनकी कारगुजारियों को नज़रअंदाज़ कर रही है क्योंकि वह पुतिन के यूक्रेन पर हमले और अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव को ज्यादा अहम मानती है।

उत्तर कोरिया से सुनायी दे रहे युद्ध के नगाड़ों को गंभीरता से लिया जाना होगा। किम और उनके परिवार का देश पर शिकंजा कसता जा रहा है। हथियारों का उसका जखीरा बड़ा होता जा रहा है। उसमें नए-नए किस्म के हथियार शामिल हो रहे हैं। फिर, चीन और रूस पूरी तरह किम जोंग के साथ हैं। एक समय था जब चीन और रूस भी संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा उत्तर कोरिया पर लगाये गए प्रतिबंधों का पालन करते थे। परन्तु किम जोंग के रूस के यूक्रेन पर हमले को ज़ोरदार और खुल्लम-खुल्ला समर्थन के बाद से रूस और चीन संयुक्त राष्ट्र संघ में उत्तर कोरिया के खिलाफ प्रस्तावों को पास नहीं होने दे रहे हैं। इसके साथ ही किम परिवार के अंदरूनी झगड़े भी सुलझ गए हैं। उनकी बहन को काम दिया गया है और दुनिया को बता दिया गया कि किम की लड़की उनकी उत्तराधिकारी होगी। अब किम चिंतामुक्त होकर युद्ध की तैयारी कर सकते हैं।सो दुनिया के आगे खतराहै। रूस और चीन अकेले नहीं हैं और ना ही उत्तर कोरिया। तीनों एक-दूसरे के साथ हैं।

देवानामिदवो महत्तदा वृणीमहे वयम्।
वृष्णामस्मभ्यमूतये।।
(ऋग्वेद ८-८३-१)

हमें प्रकृति और मानवता का सदैव संरक्षण प्राप्त हो। हमें ये सुख और शांति प्रदान करते हैं परंतु हमें कभी भी इनका दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

नदी प्रबंधन पर नये सिरे से करें विचार

ज्ञानेन्द्र रावत

देश में बाढ़ के कहर से जनमानस त्रस्त है। महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल, असम, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश आदि राज्य बाढ़ की चपेट में हैं। वहां जनजीवन अस्त-व्यस्त है। नदियां रौद्र रूप में हैं। उनका जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। कहीं तटबंध टूट गए हैं। कहीं पहाड़ी इलाकों में नीचे बने पुलों के ऊपर से पानी बह रहा है। सड़कें धंस गई हैं। सड़क परिवहन बुरी तरह प्रभावित है। उत्तराखण्ड में भूस्खलन ने जहां रास्ते अवरुद्ध कर दिये हैं, वहीं हजारों गांवों का दुनिया से संपर्क टूट गया है। हजारों-लाखों हेक्टेयर फसल बर्बाद हो चुकी है। लोग जान जोखिम में डाल छोटे-छोटे बच्चों के साथ, आश्रय की तलाश को मजबूर हैं।

नेपाल से सटे उत्तरी बिहार के जिले बाढ़ के कहर से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। यहां की सभी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कोसी, गंडक, बागमती के कहर से सैकड़ों गांव डूब गए हैं। गोपालगंज, सुपौल और सहरसा में तबाही का आलम है। कर्मनाशा की बाढ़ ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। बागमती की बाढ़ ने तटबंध बहा दिए हैं। भागलपुर के २०० और गोपालगंज के 35 गांव पानी में डूबे हैं। सूत्रों के अनुसार बिहार के 12 से ज्यादा जिलों में बाढ़ से तकरीबन 25 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं।

असम की ब्रह्मपुत्र सहित 13 नदियों के बढ़ते जलस्तर ने भयावह स्थिति पैदा कर दी है। बाढ़ ने असम के सोनितपुर सहित 24 जिलों में तबाही मचाई है। तकरीबन 34 लाख लोग बाढ़ के शिकार हैं। लाखों खुले आसमान के नीचे सड़कों पर अपने बाल-बच्चों के साथ रहने को मजबूर हैं। डिब्रूगढ़, गुवाहाटी, वीरभूमि बाढ़ की चपेट में हैं। दरांग में बाढ़ से हालात बेहद गंभीर हैं। तेलंगाना, छत्तीसगढ़ भी बाढ़ के प्रकोप से अछूते नहीं हैं। देश की औद्यौगिक राजधानी मुंबई सहित कई शहर, उनकी सड़कें पानी से लबालब हैं। बिहार में बीमार जब अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंचते हैं तो अस्पताल पानी से भरे मिल रहे हैं। वहां डाक्टर नदारद हैं।

बाढ़ ऐसी आपदा है, जिसमें हर साल करोड़ों का नुकसान ही नहीं होता बल्कि हजारों-लाखों घर, लहलहाती खेती बर्बाद होती है और अनगिनत मवेशियों के साथ हजारों इनसानी जिंदगियां पल भर में मौत के मुंह में चली जाती हैं। देश में पिछले कुछ वर्षों से बाढ़ से होने वाली तबाही बढ़ती जा रही है। लेकिन मुख्य समस्या गंगा के उत्तरी किनारे वाले क्षेत्र में है। गंगा बेसिन के इलाके में गंगा के अलावा यमुना, घाघरा, गंडक, कोसी, सोन और महानंदा आदि प्रमुख नदियां हैं जो मुख्यत: उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार सहित मध्य एवं दक्षिणी बगांल में फैली हैं। इनके किनारे घनी आबादी वाले शहर बसे हैं। इस पूरे इलाके की आबादी ४० करोड़ से ऊपर है। उसके 'बाढ़ पथ' पर रिहायशी कालोनियों का बिछता जा रहा जाल सबूत है कि सरकारें कितनी संवेदनहीन हैं।

आंकड़ों के अनुसार 1951 में देश में एक करोड़ हेक्टेयर बाढ़ग्रस्त क्षेत्र था, जो बढ़कर आज तकरीबन सात करोड़ हेक्टेयर से अधिक है। कुछेक दशक पहले जो इलाके बाढ़ से अछूते थे, आज वहां बाढ़ का तांडव दिखाई दे रहा है। राजस्थान इसका जीवंत प्रमाण है। गंगा, यमुना और अन्य नदियों का अधिकांश पानी मैदानी क्षेत्रों में खेतों की सिंचाई की खातिर नहरों के जरिये निकाला जाता रहा है। इससे नदियों में न के बराबर पानी रहने से वे गाद को समुद्र तक बहा ले जाने में नाकाम रहती हैं। हमारे यहां चाहे बड़ा शहर हो या छोटा, उसके निर्माण के समय बनी योजना में नदी-नालों के पानी की निकासी के बारे में सोचा ही नहीं गया, उसकी व्यवस्था की बात तो दीगर है। देश में हर साल बारिश से पहले नगर निकायों द्वारा नालों में जमी गंदगी की सफाई के दावे तो किये जाते हैं, लेकिन उस पर अमल होता नहीं है। नतीजतन जरा सी बारिश होने पर देश की राजधानी सहित अधिकांश शहरों में बाढ़ जैसे हालात हो जाते हैं। जबकि हमारे यहां बाढ़ नियंत्रण विभाग, आपदा विभाग, जल-कल विभाग, सफाई विभाग आदि पूरा का पूरा तंत्र मौजूद है।

हमारे यहां नदी प्रबंधन के नाम पर बांधों, बैराजों, पुश्तों का निर्माण और सिंचाई हेतु नहरें निकालने का काम तीव्र गति से हुआ है। इसमें चीन, पाकिस्तान आदि देशों के मुकाबले भारत शीर्ष पर है। हर साल बाढ़ की प्रकृति में बढ़ोतरी ढांचागत विकास में जल निकासी की अनदेखी का नतीजा है। इसमें जल संरक्षण में महती भूमिका निबाहने वाले परंपरागत जलस्रोतों की अनदेखी, नदियों में गाद की समस्या का समाधान करने में नाकामी और वनविहीन हो चुके नदियों के जलागम को वनाच्छादित करने में सरकार की विफलता जगजाहिर है। जरूरी है मौसम के बदलाव के मद्देनजर नदियों की प्रकृति का सूक्ष्म रूप से अध्ययन कर नदी प्रबंधन की व्यवस्था की जाये क्योंकि बाढ़ मानवजनित कारणों से उपजी समस्या है।

आप, बच्चे के सच बोलने पर भी उसे डांटते या फटकार लगाते हैं तो ये सही नहीं है!

ऐसा जरूरी नहीं है कि आपकी पेरेंटिंग का तरीका सही ही हो और हर पैरेंट्स अच्छे हों। पैरेंट्स को इस बात का एहसास भी नहीं होता है कि उनकी पेरेंटिंग का तरीका गलत है और इसका बुरा असर बच्चे पर पड़ रहा है।

आपकी ऐसी कई बातें और तरीके होते हैं जो आपको बैड पेरेंटिंग की कैटेगिरी में लाकर खड़ा कर देते हैं। अगर आपको भी यहां बताए गए संकेत मिल रहे हैं तो समझ लें कि आप एक बुरे पैरेंट हैं या अपने पेरेंटिंग स्टाइल में आपको बदलाव करने की जरूरत है।

सच बोलने पर भी बच्चे को डांटना

बच्चे गलती करें और फिर उस गलती को मानकर माफी मांग लें तो इसमें कोई बुराई नहीं है। लेकिन अगर आप अपने बच्चे के सच बोलने पर भी उसे डांटते या फटकार लगाते हैं तो ये सही नहीं है। आपको ये बात समझनी चाहिए कि सच बोलने और अपनी गलती को मानने के लिए बहुत हिम्मत की जरूरत होती है और आपके बच्चे में वो हिम्मत है।

दूसरों के सामने अनुशासन का दिखावा करना

हो सकता है कि मेहमानों के आगे आप अपना आपा खो दें और अपने बच्चे को

दूसरों के आगे बहुत डांटें या उनकी पिटाई कर दें। ये बैड पेरेंटिंग का संकेत होता है। इसका बुरा असर बच्चे के आत्मविश्वास पर पड़ता है और अनुशासन में रहना सिखाने का यह तरीका बच्चे को शर्मिंदगी महसूस करवा सकता है। आपके ऐसा करने से आपके और बच्चे के बीच के रिश्ते में भी कड़वाहट पैदा हो सकती है।

प्रोत्साहित न करना

जब बच्चे सही करते हैं तो उन्हें प्रोत्सोहित करने या उनकी तारीफ करने की जरूरत होती है। वहीं, अगर आप हर बात पर अपने बच्चे को सीख ही देते हैं और उसके द्वारा किए गए कामों की प्रशंसा नहीं करते हैं तो आप एक बुरे पैरेंट हो सकते हैं। वहीं, जो पैरेंटस अपने बच्चों को दुलार नहीं दिखाते हैं या उनसे खुलकर प्यार नहीं करते हैं, वहां भी बच्चे अपने पैरेंटस से इमोशनली दूर होने लगते हैं।

हमेशा आलोचना करना

बच्चे की उपलब्धियों की तारीफ न करना और उसकी मेहनत पर गर्व महसूस न करना। बच्चा जो भी करे उसकी आलोचना करना या उसे डांटना। ये दोनों ही चीजें बैड पेरेंटिंग का संकेत होती हैं।

वहीं, जो पैरेंटस अपने बिजी शेडयूल से अपने बच्चों के लिए समय नहीं निकालते हैं और बच्चों के साथ बात नहीं करते हैं या उन्हें समय नहीं देते हैं, उन्हें भी बुरे पैरेंट की लिस्ट में शामिल किया जाता है।

हर वक्त प्रोटेक्ट करना

वैसे तो मां-बाप का काम ही अपने बच्चे को प्रोटेक्ट करना और उसकी देखभाल करना होता है लेकिन जब ये चीजें हद से बाहर हो जाएं तो गलत की लिस्ट में आ जाती हैं। अगर आप खुद ही अपने बच्चे को हर मुश्किल और चुनौती से बचा लेंगे तो उसे अपनी लड़ाई खुद लड़ने का मौका ही नहीं मिलेगा और इस दुनिया का सामना करने के लिए वो कभी मजबूत ही नहीं बन पाएगा।

नाइजर है फ्रांस की किरकिरी

श्रुति व्यास

नाइजर का सैनिक नेता जिद पर अड़ा हुआ है। वहां की सैनिक सरकार इकोवास (इकनोमिक कम्युनिटी ऑफ़ वेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स) से लड़ने के लिए तैयार है। इकोवास द्वारा वहां के अपदस्थ राष्ट्रपति को दुबारा सत्ता सौंपने के लिए तय की गयी आखिरी तारीख़ - 6 अगस्त - निकल चुकी है। इसके अलावा 7 अगस्त को अमेरिका के राजदूत को भी अपदस्थ राष्ट्रपति से मिलने और उनसे चर्चा करने की इजाजत नहीं दी गई। पिछले महीने के तख्तापलट के बाद लोकतंत्र की वापसी के सभी आव्हानों को ठुकरा दिया गया।

पश्चिमी अफ्रीका के पड़ौसी देशों के जमावड़े इकोवास ने 6 अगस्त तक बजौम को दुबारा सत्ता न सौंपे जाने पर बलप्रयोग की धमकी दी थी। धीरे-धीरे अंतिम तिथि नजदीक आती गई लेकिन तख्तापलट का नेतृत्व करने वालों ने सत्ता से हटने का संकेत नहीं दिया। इसकी बजाए उन्होंने एक स्टेडियम में अपने समर्थकों को एकत्रित किया, जो उनकी जयजयकार कर रहे थे। उन्होंने देश के पूर्व औपनिवेशिक शासक फ्रांस के झंडे के रंग से रंगे गए एक मुर्गे का सर कलम किया। अंतिम तिथि निकलने के बाद सैन्य सत्ताधारियों ने नाइजर की वायु सीमा को पूरी तरह से बंद कर दिया। उन्होंने कहा एक 'विदेशी शक्ति' देश पर हमले की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि ''नाइजर की सशस्त्र सेनाएं देश की अखंडता की रक्षा करने के लिए तैयार हैं।'' तख्तापलट के नेताओं ने नाइजर के युवाओं से आव्हान किया कि वे इस कठिन समय में देश की सेवा के लिए तैयार रहें। राजधानी के अब्दोउ मौमौनी विश्वविद्यालय के छात्रों ने इसकी प्रतिक्रिया में कहा कि वे इस आव्हान के अनुसार कार्य करेंगें। नाइजर के आक्रामक रूख के मद्देनजर इकोवास ने 1० अगस्त को एक असाधारण बैठक बुलाई है।

नाइजर में हुए तख्तपलट से एकदम साफ हो गया है कि लोगों ने फ्रांस के बोलबाले को उतने ही जोश से खारिज किया है जितने जोश से उनके पूर्वजों ने फ्रेंच साम्राज्य को किया था। इस तरह फ्रांस का लंबे समय से चला आ रहा दबदबा कम हो रहा है। विकास सहायता के रूप में हर साल दो अरब डालर तक मिलने के बावजूद नाइजर दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक बना हुआ है, जहां साक्षरता दर केवल 34 प्रतिशत है। यूरोपियन यूनियन नाइजर के लिए 2०24 में समाप्त होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए 5० करोड़ 3० लाख यूरो देने वाला था। इतनी मदद के बावजूद नाइजर में अब फ्रांस को युवा वर्ग में बेरोज़गारी जैसी बड़ी समस्याओं के लिए दोषी ठहराया जाता है।

सन 2०2० में माली और बुर्किनो फासो - जो फ्रांस की दासता से सन् 196० में मुक्त हुए थे - में 2०21 और 2०22 (दो बार) तख्तापलट हुआ था। अब नाइजर ताजा देश है। इन सभी देशों में फ्रांस, बल्कि पूरे पश्चिम, के विरूद्ध नाराजगी लगातार बढ़ती रही, जबकि विरोधी ताकतों जिनमें रूस, तुर्की और चीन शामिल हैं, हालात का फायदा उठाने के मौके तलाशते रहे। बुर्किनो फासो और माली के सैन्य नेतृत्व ने पहले ही चेतावनी दे दी है कि सैन्य हस्तक्षेप के जरिए बजौम को दुबारा सत्ता में लाने का प्रयास जंग का ऐलान माना जाएगा। भाड़े के सैनिकों का रूसी समूह वेगनर नाइजर के पड़ोसी देशों में सक्रिय है और उसने नाइजर के विद्रोहियों को मदद की पेशकश की है।

नाइजर में आगे क्या होगा और नए सत्ताधारी जनरल अब्दुररहमाने चियानी क्या करने वाले हैं यह अस्पष्ट और अनिश्चित है। फ्रांस को आंखे दिखाते हुए और उपनिवेशवादी मानसिकता से उबरते हुए नाइजर में भ्रष्टाचार, मानवाधिकार हनन और अफरा-तफरी का माहौल रहेगा जिसमें जिहादियों और आतंकवाद को पनपने का मौका मिलेगा।

इस तरह यह इलाका युद्ध के मुहाने पर खड़ा है। इकोवास पिछले दरवाजे से कोई समझौता करवाने का प्रयास कर रहा है। लेकिन इस बात की संभावना बहुत कम है कि सैन्य नेतृत्व झुकेगा और सत्ता दुबारा बजौम के हाथ में सौंपेगा। अगर युद्ध हुआ तो वह घातक होगा जिसमें कईयों की भूमिका होगी - नाइजर की सत्ताधारी सेना, जिहादी, पश्चिमी देश, चीन और रूस और इसमें बड़ी संख्या में जानें जायेंगी।

चुटकी में थकान को दूर भगाएं

इस भागदौड भरी जिन्दगी से कुछ आराम के लम्हे निकाल कर तो देखिए, तन हमेशा स्वस्थ और मन सदा प्रसन्न रहेगा किसी को बैठकर काम करना होता है तो किसी को खडे रह कर तो किसी को चलफिर कर। किसी को शारीरिक श्रम करना पडता है तो किसी को मानसिक। पर एक बात तय है, थकान सभी को होती है। थकान दूर करने में पानी की भूमिका महत्वपूर्ण है। गरम पानी की बोतल से सिंकाई करने से प्रभावित अंग के दर्द में आराम मिलेगा और थकान भी दूर होती है। काम के बीच ठंडे पानी से हाथमुंह धोएं व आंखों में पानी के छींटे मारें। काम करने की अवधि में आराम का अवसर ना मिले तो आंखो बंद कर के उन पर अपनी हथेलियां रख कर ढक लें। इससे आपको बहुत आराम मिलेगा और थकान भी कम होगी। अपने विचारों को सकारात्मक रूप देना, अच्छे पलों को याद रखना, सदा प्रसन्न रहना, हंसेनेहंसाने का गुण अपनाना आदि थकान से बचने के सही उपाय हैं। औरों से ईर्ष्या करने वाले, अपने दुखद अतीत से चिपके रहने वाले, स्वयं को तुच्छ व लाचार समझने वाले, अक्सर क्रोध करने वाले लोग अपना अमूल्य समय तो बरबाद करते ही हैं, मानसिक व शारीरिक थकान को भी न्योता देते हैं। इन बातों से बचना ही चाहिए।

मानवता की सेवा और सत्कर्मों का हिसाब

योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण'

अक्सर सभी एक कहावत जरूर कहते हैं जैसा करोगे, वैसा भरोगे। यह ज़िन्दगी की ऐसी कविता है, जो हर किसी को कभी-न-कभी पढ़ने को मिली जरूर है। कबीर तो कहते ही रहे हैं :-

करना था सो क्यों किया, अब करि क्यों पछताय।

बोया पेड़ बबूल का, आम कहां से खाय।

कबीर तो हमारे दोहरे व्यक्तित्व और नकली मुखौटों पर भी सदा चोट करते आये हैं। मुखौटों पर मुखौटे लगाना जैसे हमारे लिए फैशन हो गया है। आखिर हम सहज क्यों नहीं हो पाते इस प्रश्न का बड़ा ही सरल सा उत्तर यह है कि हम अपने कर्म के परिणाम पर कभी विचार नहीं करते।

हाल ही में एक प्रेरक प्रसंग ने अन्तर्मन को छू लिया। एक अस्पताल में एक एक्सीडेंट का केस आया। अस्पताल के मालिक डॉक्टर ने मरीज़ की आईसीयू में जाकर केस की जांच की और अपने स्टाफ को कहा कि इस व्यक्ति को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उससे रुपए मांगने से स्टाफ को भी मना कर दिया। 15 दिन तक मरीज अस्पताल में रहा।

जब बिल्कुल ठीक हो गया तो डिस्चार्ज के दिन मरीज का बिल डॉक्टर की टेबल पर आया। डॉक्टर ने अपनी अकाउंट मैनेजर को बुला कर कहा-इस व्यक्ति से एक पैसा भी नहीं लेना है। अकाउंट मैनेजर ने कहा-डॉक्टर साहब, तीन लाख का बिल है, नहीं लेंगे तो कैसे काम चलेगा डॉक्टर ने कहा-दस लाख का भी क्यों न हो, एक पैसा भी नहीं लेना है। ऐसा करो, तुम उस मरीज को लेकर मेरे चेंबर में आओ। मरीज को चेंबर में लाया गया, साथ में मैनेजर भी थी। डॉक्टर ने पूछा-प्रवीण भाई! मुझे पहचानते हो... मरीज ने कहा-लगता तो है कि मैंने आपको कहीं देखा है! डॉक्टर ने याद दिलाया-एक परिवार पिकनिक पर गया था। लौटते समय उनकी कार बंद हो गयी और कार में से धुआं निकलने लगा। कार चालू नहीं हुई। अंधेरा घिरने लगा था। चारों ओर जंगल और सुनसान था। पति, पत्नी, युवा पुत्री और छोटा बालक सब भगवान से प्रार्थना करने लगे कि कोई मदद मिल जाए तो प्राण बचें। थोड़ी ही देर में मैले से कपड़ों में एक युवा बाइक से उधर आता हुआ दिखा। हम सबने उसको रुकने का इशारा किया। वह तुम ही थे न प्रवीण! तुमने बाइक खड़ी कर हमारी परेशानी का कारण पूछा। फिर तुमने कार का बोनट खोला और कार को चेक किया।

उस समय मेरे परिवार को और मुझको ऐसा लगा कि जैसे भगवान ने हमारी मदद करने के लिए ही तुमको भेजा है। तुमने हमारी कार चालू कर दी। मैंने जेब से बटुआ निकाला और तुमसे कहा-भाई, तुमने ऐसे कठिन समय में हमारी मदद की, इस सहायता की कोई कीमत नहीं है, ये अमूल्य है, तुम्हें कितने पैसे दूं

उस समय तुमने मुझ से हाथ जोड़कर जो शब्द कहे-वही शब्द अब मेरे जीवन की प्रेरणा बन गये हैं। तुमने कहा-साहब, मुश्किल में पड़े व्यक्ति की मदद के बदले मैं कभी पैसे नहीं लेता। मेरी इस तरह की मजदूरी का हिसाब मेरे भगवान रखते हैं। यहां से तीन किलोमीटर आगे मेरा गैराज है, मैं आपकी गाड़ी के पीछे पीछे चल रहा हूं। गैराज़ पर चलकर पूरी तरह से गाड़ी चेक कर लूंगा।

इस घटना को पूरे तीन साल होने को आए। मैं न तो तुमको भूला, न ही तुम्हारे शब्दों को भूल पाया। मैंने भी अपने जीवन में वही संकल्प ले लिया। एक बात मैंने सीखी कि बड़ा दिल तो गरीब और सामान्य लोगों का ही होता है, बाकियों का तो कोई न कोई स्वार्थ हुआ करता है। यह अस्पताल मेरा है। तुम यहां मेरे मेहमान बनकर आए हो, इसलिए मैं तुमसे कुछ भी नहीं ले सकता। तुम्हारे शब्दों ने मेरी अंतरात्मा को जगा दिया था। अब मैं भी अस्पताल में आए हुए किसी संकट में पड़े हुए लोगों से कभी कुछ भी नहीं लेता हूं।

अकाउंट मैनेजर से डॉक्टर ने कहा-ज्ञान पाने के लिए जरूरी नहीं कि कोई गुरु या महान पुरुष ही मिले। एक सामान्य व्यक्ति भी हमारे जीवन के लिए बड़ी शिक्षा और प्रेरणा दे सकता है। प्रवीण से डॉक्टर ने कहा-तुम आराम से घर जाओ। प्रवीण ने चेंबर में रखी भगवान की तस्वीर के सामने हाथ जोड़कर कहा-हे प्रभु, आपने आज मेरे कर्म का पूरा हिसाब चुका दिया, आपका लाख-लाख शुक्रिया।

लगता है कि भगवान चाहे हमारे दुष्कर्मों को माफ कर दे, परंतु कर्म का फल तो मिलता ही है। इसलिए बड़ों ने कहा है कि अपने कर्म का सदैव ध्यान रखें और मुसीबत में पड़े जरूरतमंदों की मदद अवश्य करें।

आज हम सिर्फ अपने लिए जी रहे हैं। कर्म के फल की तो कभी सोचते ही नहीं क्या हम संकल्प नहीं ले सकते कि अगर कोई व्यक्ति मुसीबत में होगा तो हम उसकी मदद अवश्य करेंगे एक बार उठिए तो सही, आपकी सोच वाले आपके साथ अवश्य आएंगे और फिर कारवां बनता जाएगा।

क्षमा प्रसन्नता-आरोग्यता की दवा भी

दिनेश चमोला 'शैलेश'

क्षमा करने का साहस करना व क्षमा कर दिखाना, दोनों ही, सबके बूते की बात नहीं है। वास्तव में इसको कार्य रूप में परिवर्तित करने का सुअवसर विरले भाग्यशाली लोगों को ही नसीब हो पाता है।

सही मायने में क्षमा का उपयोग किया जाए तो यह मनुष्य के व्यक्तित्व व महत्व को चार-चांद लगा सकती है। इसमें हिंसक जीव को अहिंसक बनाने की जादुई क्षमता है। इसमें उग्र से उग्र स्वभाव वाले व्यक्ति को भी कुछ ही क्षणों में अत्यंत सरस व सरल प्रकृति में बदलने की शक्ति भी समाई रहती है। संसार की बड़ी से बड़ी संपदा व शक्ति भी कभी वह काम नहीं कर सकती, जो पलक झपकते केवल क्षमा करने से संभव है। क्षमा करना, अपने विपक्ष में खड़े व्यक्ति या सत्ता को पस्त करने का भावनात्मक शस्त्र मात्र नहीं, बल्कि अंदर ही अंदर उसके विद्रोही मनोभावों का सामान्यीकरण कर, उसे आदर्शपूर्वक अपने पक्ष में करने का चमत्कारी शास्त्र अथवा भाव भी है। क्षमा मनुष्य को प्राप्त प्रमुख दैवीय गुण है।

वस्तुत: क्षमा करने से, क्षमा किये जाने वाले व्यक्ति की दृष्टि में, क्षमा कर रहे व्यक्ति का कद स्वत: ही कई गुना अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि वह स्वयं को अपनी ही दृष्टि में क्षमा न करने योग्य मान चुका होता है। ऐसे में जब वह अपने बड़े अपराध के लिए क्षमा किया जा रहा होता है तो उसका अहम् उसके सामने पानी भरने लग पड़ता है

प्रसिद्ध पुस्तक 'हाउ टु फॉरगिव व्हेन यू कांट' में प्रसिद्ध मनोचिकित्सक, डॉ. जिम ने अपने शोधों व अध्ययनों के आधार पर यह स्पष्ट किया है कि क्षमा करने से हम बेहतर तरीके से खुद को दुखों तथा पिछली घटनाओं से छुटकारा दिला सकते हैं। क्षमा के माध्यम से हम मानसिक शक्ति अर्जित कर दूसरे के लिए भी सुख का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। वे बताते हैं किस प्रकार अक्षम्य से अक्षम्य अपराधों व बातों को कलात्मक तरीके से क्षमा करते हुए उन सारे दुखों को कैसे सुख के संसार में बदला जा सकता है। क्षमा, एक तरह से दूसरे व्यक्ति के लिए अपने मन की पनपती कड़वाहट अथवा बुराई से स्वयं को रोकने की प्रक्रिया है। एक प्रकार से यह गलत व उलटी दिशा से अपना ध्यान हटाकर किसी अच्छी जगह केंद्रित करना है। जब आप अपने विचारों की दिशा बदल देते हैं तो आपकी जीवन-दृष्टि स्वत: ही बदल जाती है।

केवल दूसरों को क्षमा करना महत्वपूर्ण व बड़ी अहम बात नहीं होती है, बल्कि स्वयं को क्षमा करना उससे भी बड़ी बात है। जब आप अपने साथ अत्यंत बुरा व्यवहार करने वाले व्यक्ति को सहज रूप में, बिना किसी अपेक्षा के क्षमा कर देते हैं तो आप स्वयं को अधिक सकारात्मक व दबावमुक्त पाते हैं। किसी को क्षमा इसलिए मत करो कि वह क्षमा का पात्र है, बल्कि इसलिए करो कि आपको अपने जीवन में, परिवेश में, समाज में शांति चाहिए सृजनात्मकता चाहिए यदि आप स्वयं को हर पल तरोताजा व स्वस्थ रखना व देखना चाहते हैं तो क्षमा करना सीखें। जब कोई आपकी बुराई करता है तो उसके प्रति आपके मन में नकारात्मक विचार आना स्वाभाविक है। लेकिन आपकी कुशलता इसी में है कि आप इस संकट की स्थिति से स्वयं को कैसे सुरक्षित रखते हो व दूसरे के साथ कितनी सकारात्मकता से पेश आते हो। क्षमा-दान, संत-हृदयी व्यक्ति का स्वभाव है। स्वयं भगवान श्रीराम, क्षमा आदि भावों को संतों का प्रमुख लक्षण मानते हैं। हमारे शास्त्रों में धर्म के जो 1० लक्षण बताए गए हैं उनमें धैर्य के बाद क्षमा का ही स्थान आता है। कहा भी गया है : 'क्षमा वीरस्य भूषणम्' क्षमा करना वीरों का आभूषण है; लक्षण है। क्षमा दोनों ओर अर्थात् करने वाले व किये जाने वाले का गुणवर्द्धन करती है। वेदव्यास जी इसका सुंदर वर्णन इस प्रकार करते हैं : क्षमा असमर्थ मनुष्य का भूषण है और समर्थों का गुण है।

प्रख्यात मनोवैज्ञानिक रॉबर्ट डी. एनराइट ने अपनी पुस्तक में कष्ट व पीड़ा देने वाले व्यक्ति को उसके बदले में क्षमा कर देने का पर्याय, स्वयं के जीवन को तनाव, क्रोध व पीड़ा से मुक्त कर सुखपूर्वक बनाना व साथ ही इसे कई प्रकार की बीमारियों से बचाव करना भी माना है। उनके अनुसार क्षमा के मार्ग में आगे बढ़ने का तात्पर्य किन्हीं दूसरों के लिए नहीं, बल्कि स्वयं के लिए प्रेम व शांति के द्वार खोलना है।

मुस्लिम ब्रदरहुड पर मुस्लिम देशों का कहर!

श्रुति

दस साल पहले मिस्र में बड़ा बदलाव हुआ। था। लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए मिस्र के पहले राष्ट्रपति और मुस्लिम ब्रदरहुड के नेतामोहम्मद मोरसी को सेना ने हटा दिया। उनके समर्थक काहिरा के रबा स्क्वायर पर विरोध के लिए इकट्ठा हुए तो मिस्र के सुरक्षा बलों ने 14 अगस्त 2013 को ब्रदरहुड के कम से कम 900 सदस्यों को मार डाला।उस घटना को हुए दस साल हो गए है लेकिन तब से मुस्लिम ब्रदरहुडसंगठन दर-बदर नरसंहार में जिंदा बचे कई लोगों को जेलों में ठूंस दिया गया। कई देश छोड़कर चले गए। सन् 2020 में ब्रदरहुड के तत्कालीन नेता महमूद एज़्ज़त को गिरफ्तार किया गया। उसके बाद इस संगठन में लीडरशीप का विवाद चला। इस साल मार्च में ब्रदरहुड ने 78 साल के सलाह अब्दुल हक को कार्यवाहक प्रमुख बनाया है लेकिन संगठन अपने अस्तित्व और पहचान में मरा पड़ा है।

एक वक्त इस्लामी दुनिया मेंमुस्लिम ब्रदरहुड तेजी से फैलता आंदोलन था। कट्टर इस्लामवादी और तुर्की के राष्ट्रपति अर्दोआन भी मुस्लिम ब्रदरहुड के हिमायती थे।ध्यान रहे सन् 2011 में विरोध प्रदर्शनों से हटे हुस्नी मुबारक के बाद ब्रदरहुड ने ही मिस्र में इस्लामी परचम के झंडे गाढ़े थे। इस आंदोलन को अर्दोआन का समर्थन इतना जबरदस्त था कि उन्होंने सुरक्षा बलों की सैनिक क्रांति से बने राष्ट्रपति अब्दुल फतेह अल सीसी की जम कर आलोचना की। उन्हें तानाशाह तक कहा। उन्होंने मिस्र के अपदस्थ राष्ट्रपति मोहम्मद मोरसी के समर्थन में रैलियां कीं, मुस्लिम ब्रदरहुड के नेताओं का हर तरह के संसाधन और सुविधाएं मुहैया करवाईं और अपने देश में शरण दी। सचमुच पूरे अरब क्षेत्र में, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र ने इस इस्लामिक समूह को अपने लिए खतरा, चुनौती माना था वहीं अर्दोआन ने मिस्र में 2011 और 2012 में हुए चुनावों में मुस्लिम ब्रदरहुड की जीत के सहारे सऊदी अरब की जगह स्वयं को सुन्नी इस्लामिक देशों का नेता बनने का सपना संजोया। लेकिन यह रणनीति मिस्र में सीसी के सत्ता पर काबिज होने और इसके दो साल बाद सीरिया में असद के समर्थन में रूस द्वारा किए गए हस्तक्षेप के बाद धरी रह गई। अब हालात यह है कि मौजूदा वक्त को' नए दौर' की संज्ञा देते हुए अर्दोआन अब सऊदी अरब, मिस्र और यूएई से हाथ मिलाए हुए है। मुस्लिम ब्रदरहुड की गतिविधियों से दूरी बनाते लगते है। तुर्की ने ब्रदरहुड के सदस्यों या उससे जुड़े व्यक्तियों को वहां रहने की अनुमति के नवीनीकरण से भी इंकार किया है। ब्रदरहुड के सदस्योंको वहां से चले जाने के लिए कहा। ऐसी खबरें भी है कि उसके कुछ नेताओं को गिरफ्तार किया है। और मिस्र के राष्ट्रपति द्वारा जिन अन्य लोगों को मिस्र को सौंपे जाने की मांग की जा रही है, उन्हें किसी तीसरे देश में भेजने पर विचार है।

मुस्लिम ब्रदरहुड का पुराना इतिहास है। संगठन 1928 में ब्रिटिश साम्राज्यवाद से मुकाबला करने और शरिया के ज़रिये समाज के इस्लामीकरण के मकसद से बना था। यह अरब क्षेत्र का सबसे प्रभावी इस्लामिक संगठन बना। उसे दबाने के कई प्रयासों के बाद भी वह अरब क्षेत्र में प्रभावी बना रहा। उसने कई शांतिपूर्ण राजनैतिक आंदोलनों का नेतृत्व किया। साथ ही उसके कुछ नेता, पश्चिमी संस्कृति और जीवन जीने के आधुनिक तरीके के हिंसक विरोधी के रूप में भी उभरे। ब्रदरहुड ने मिस्र में अपना राष्ट्रपति बनवाने में सफलता पाई तो उसी समय ट्यूनीशिया में वह एक एलायंस से सत्ता में आया। पर उसके अच्छे दिन लम्बे नहीं चले। मोरसी को एक विद्रोह के बाद पद छोड़ना पड़ा। और राष्ट्रपति सीसी ने बहुत क्रूरता से ब्रदरहुड के 900 समर्थकों को मरवा दिया।ह्यूमन राइट्स वाच के अनुसार यह हत्याकांड तियानमेन चौक हत्याकांड की तरह का था। ब्रदरहुड के हजारों सदस्यों को जेल में डाला गया। कई लोग तुर्की, कतर और इंग्लैंड भाग गए।और हैरानी की बात कि इतने बड़े पैमाने पर दमन की रियलिटी के बावजूद दुनिया में किसी ने, अमेरिका व पश्चिमी देशों ने मिस्र में मानवाधिकारों के रक्षा के लिए कुछ नहीं कहा या किया है। और अब अर्दोआन ने मिस्र के सीसी से हाथ मिला लिया है। मुस्लिम ब्रदरहुड पर सरकार का दमन जारी है।उसमें अंदरूनी झगड़े भी हैं। सोमवार को नरसंहार की बरसी पर कुछ ख़ास नहीं हुआ क्योंकि ब्रदरहुड के समर्थकों को डर था कि किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन को जबरदस्ती तितर-बितर कर दिया जायेगा।

आयुर्वेदिक नुस्खे से करें इम्यूनिटी को बूस्ट

आयुष इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार रोग प्रतिरोधक क्षमता मजूबत होने से वायरस या बैक्टीरिया के शरीर में प्रवेश होने के बावजूद रोग का संक्रमण नहीं हो पाता है। वहीं, भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉक्टरों ने अध्ययन में पाया कि फीफट्रोल एक मल्टी ड्रग कॉम्बिनेशन है, जिसमें मृत्युंजय रासा, संजीवनी वटी, तुलसी और गिलोय का इस्तेमाल किया गया है। ये औषधियां वायरल संक्रमण से बचाव के लिए शरीर की रक्षात्मक शक्ति को बढ़ावा देती है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

घुटने के दर्द की अब चिंता नहीं

अक्सर यह देखने को मिलता है कि बुढ़ापे की ओर अग्रसर लोग अपने घुटनों से परेशान रहते हैं। ज्यादातर शिकायतें इसी की आती हैं। और यह दर्द ठीक ना हो रहा हो तो इसी बहाने कई झोलाछाप डॉक्टर अपनी रोजी-रोटी चलाते हैं।

लेकिन इस प्रकार के रोग से ग्रस्त हैं उनके लिए यह खुश होने वाली खबर है। आइए जानते हैं।

चिकित्सा जगत में लगातार हो रहे शोध का ही यह नतीजा है कि आज पूर्ण रूप से त्रुटिरहित घुटना प्रत्यारोपण जीरो एरर नी रिप्लेसमेंट संभव हो सका है। आधुनिक जीरो एरर तकनीक के जरिये मानवीय संरचना को क्षति पहुंचाएं बगैर आधे घंटे से कम समय में भी घुटना प्रत्यारोपण संभव है। तमाम लोग इस ऑपरेशन प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी न होने या फिर सही जानकारी न होने के कारण भयवश ऑपरेशन कराने से बचते हैं। इस कारण कष्टप्रद जीवन जीते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि यदि वे समय रहते घुटना प्रत्यारोपण करा लेंए तो ऐसे लोग एक सामान्य ही नहीं बल्कि बहुत अच्छी जिदगी जी सकते हैं।

आइए जानें इसकी पांच विशेषताएं

पहली विशेषता

जीरो मसल किटंग एप्रोच है, जिसके अंतर्गत प्रत्यारोपण के दौरान किसी भी मांसपेशी को नहीं काटा जाता है। इसी वजह से रोगी को ऑपरेशन के चार घंटे बाद ही चलाया जा सकता है।

दूसरी विशेषता

जीरो एरर इन्स्ट्रूमेंटेशन है। इसका आशय है कि ऑपरेशन व्यक्ति विशेष के लिए खास तौर पर निर्मित किए गए कस्टम मेड इंस्ट् मेंट्स द्वारा किया जाता है। इस कारण ऑपरेशन के दौरान कोई नाप.जोख नहीं करनी होती है जिससे नाप-जोख में किसी गलती या चूक होने का सवाल ही खत्म हो जाता है। इन उपकरणों से ऑपरेशन करने के और कई फायदे हैं। जैसे ऑपरेशन करते समय टिश्यूज को कोई चोट नहींपहुंचती है।

तीसरी विशेषता

जीरो फ्रिक्शन इम्प्लांट है। इसका आशय यह कि प्रत्यारोपित किया जाने वाला इम्प्लांट भी बहुत खास प्रकार की धातु से निर्मित होता है जो तीस से भी अधिक वर्षो तक चलता है। यानी यह शून्य घर्षण वाला इम्प्लांट है।

जीरो लॉस ऑफ मूवमेंट है। आशय यह है कि भारतीय और एशियाई लोगों की आवश्यकता के अनुरूपए प्रत्यारोपण के बाद भी लोग पैर मोड़करए पालथी मारकर व उकडू बैठ सकते हैं। जीरो एरर विधि की पांचवीं विशेषता जीरो इन्फेक्शन है। इसका आशय है कि यह प्रक्रिया 100 प्रतिशत संक्रमण रहित है। जब उपर्युक्त पांच खूबियों के समीकरण से घुटना प्रत्यारोपण होता हैए तो वह अपने आप में बेजोड़ होता है। इसलिए स्पष्ट रूप से यह कहा जा सकता है कि घुटना प्रत्यारोपण की जीरो एरर तकनीक घुटने की गठिया से पीड़ित लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

शब्द सामर्थ्य -015

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

1		3	■	■	4		5	■
	■	6	7			■	8	9
10				■		■	11	
	■	■	12	13		14		■
15	16		■		■		■	17
■		■	18		19		■	
20				■	21		■	
22		■		■		■	23	
24		■	■	■	25			■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 14 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

कंगना रनौत की फिल्म चंद्रमुखी 2 का पहला सॉन्ग आउट

एक्ट्रेस कंगना रनौत जल्द ही तमिल फिल्म चंद्रमुखी 2 में नजर आने वाली हैं, जिसमें वह एक क्लासिकल डांसर की भूमिका निभा रही हैं. फिल्म के पहले ट्रैक स्वागतांजलि का सॉन्ग वीडियो हाल ही में आउट हो गया है. इसमें एक्ट्रेस एक शास्त्रीय नर्तकी के अवतार में दिख रही हैं. वीडियो में कंगना चंद्रमुखी के गेटअप में किसी राजा के दरबार में डांस करती नजर आ रही हैं. वह इस आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं.

आपको बता दें कि, गाने में कंगना रनौत का लुक फैंस को काफी पसंद आया. एक फैन ने लिखा, यह बिल्कुल सही हैजिस तरह की फिल्म है उसके लिए बिल्कुल उपयुक्तज्पूरी टीम की कड़ी मेहनत साफ है. कंगना रनौत और सिंगर, उनका परफॉर्मेंस अद्भुत है !! शुभकामनाएं..फिल्म की रिलीज का इंतजार है. जबकि एक अन्य फैन ने कमेंट किया, गीत, संगीत, गायन, वीडियो, नृत्य अभिनेता सब कुछ बिल्कुल सही है. सचमुच रोंगटे खड़े हो जाते हैं. स्वागतांजलि अकादमी पुरस्कार विजेता संगीतकार एमएम कीरावनी का बनाया हुआ गाना है. इस सॉन्ग को श्रीनिधि तिरुमाला ने गाया है.

चंद्रमुखी 2 का निर्देशन पी वासु ने किया है और यह 2005 की फिल्म चंद्रमुखी का स्टैंडअलोन सीक्वल है, जिसमें रजनीकांत और ज्योतिका ने मुख्य भूमिका निभाई थी. कंगना की इस फिल्म की शूटिंग फरवरी में पूरी हुई थी. जुलाई में, एक्टर ने फैंस को सूचित किया कि उन्होंने फिल्म के क्लाइमेक्स गाने के लिए रिहर्सल शुरू कर दी है. उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर अपडेट शेयर किया और लिखा, कला मास्टर जी के साथ चंद्रमुखी 2 के लिए क्लाइमेक्स गाने की रिहर्सल शुरू की... गाना गोल्डन ग्लोब विजेता श्री एम.एम. कीरावनी जी द्वारा संगीतबद्ध किया गया है, महान श्री पी. वासु जी द्वारा निर्देशित... यह एक सम्मान की बात है.

इसके अलावा, चंद्रमुखी 2 तमिल, हिंदी, कन्नड़, तेलुगु और मलयालम में रिलीज होगी और इस साल सितंबर में गणेश चतुर्थी के त्योहार के दौरान रिलीज होगी.

म्युज़िक वीडियो उई मुई सू में स्नेहा उल्लाल और आमिर शेख की बेहतरीन केमिस्ट्री

सलमान खान के अपोजिट फ़िल्म लक्की से चर्चा में आई खूबसूरत अदाकारा स्नेहा उल्लाल अब आमिर शेख के साथ रोमांटिक म्युज़िक वीडियो उई मुई सू में नज़र आ रही हैं जो आज ही ज़ी म्युज़िक से रिलीज़ हुआ है और जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। स्नेहा उल्लाल और आमिर शेख की जोड़ी और उनके बीच गज़ब केमिस्ट्री गाने को और भी आकर्षक बना रही है।

इस सॉन्ग के प्रोड्यूसर अनूप जलोटा हैं, जो सारी दुनिया मे भजन सम्राट के नाम से जाने जाते हैं। पद्मश्री अनूप जलोटा ने बॉलीवुड की बहुत सी फिल्मो का निर्माण किया है। उन्हें इस गाने के बोल और यह प्रोजेक्ट इतना रोचक लगा कि वे उसे निर्माता के रूप में पेश करने के लिए तैयार हुए।

इस गाने को बॉलीवुड के लिजेंड्री गायक सुरेश वाडेकर और रीना मेहता ने आवाज दी है। सुरेश वाडेकर ने बॉलीवुड में तुमसे मिलके ऐसा लगा तुमसे मिलके जैसे अनगिनत ब्लॉकबस्टर गीत दिए हैं।

सुरेश वाडेकर की सुरीली आवाज ने इस गीत को और भी बेहतरीन बना दिया है। सिंगर रीना मेहता ने अनूप जलोटा सहित कई बड़े सिंगर्स के साथ गाने गाए हैं जैसे अमित मिश्रा, नकाश अज़ीज़, देव नेगी, शहीद मल्ल्या, आमान त्रिखा और आमिर शेख़, उनके कई म्युज़िक वीडियो रिलीज़ होकर लोकप्रिय हो चुके हैं।

उन्होंने इस रोमांटिक अल्बम में अपनी मधुर आवाज से जान डाल दी है। फ़िल्म ?क्ट्रेस स्नेहा उल्लाल ने बॉलीवुड में सलमान खान के साथ फ़िल्म लक्की के साथ डेब्यू किया था।

वह ऐश्वर्या राय जैसा लुक रखने के लिए भी चर्चा में रही हैं और अब वह आमिर शेख के साथ इस वीडियो में अपनी अदाओं से सबको लुभा रही हैं। मल्टी टैलेंटेड आमिर शेख ने पहली बार किसी और सिंगर के गाए गीत पर परफॉर्म किया है।

उनके कई गाने बतौर सिंगर और परफॉर्मर टी सीरीज, जी म्युज़िक, बी4यू, वीनस वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड जैसी बड़ी म्युज़िक कंपनियों द्वारा रिलीज होकर पॉपुलर हो चुके हैं। ये लेटेस्ट गीत गाया सुरेश वाडेकर ने है और आमिर शेख ने स्नेहा उल्लाल के साथ परफॉर्म किया है।

भूमि ने किया अपनी नई फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग का ऐलान

भूमि पेडनेकर को आखिरी बार फिल्म अफवाह में देखा गया था। हालांकि, उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फेल हुई। बहरहाल, आने वाले दिनों में भूमि कई बड़ी फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी और अब उनकी नई फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग का ऐलान हो गया है।भूमि ने फिल्म का पहला पोस्टर अपने प्रशंसकों के साथ साझा कर इसकी घोषणा की है।फिल्म में उनके साथ शहनाज गिल समेत कई कलाकार नजर आने वाले हैं।

भूमि ने जो पोस्टर साझा किया है, उसमें एक लड़की अपनी टी-शर्ट उतारते हुए कैमरे को अपनी पीठ दिखाते हुए पोज देती दिख रही है। सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर वायरल हो रहा है।भूमि ने लिखा, युवाओं को आकर्षित करने के लिए आ रहे हैं थैंक यू फॉर कमिंग। इससे जुड़ीं जानकारियां पाने के लिए हमारे साथ जुड़े रहें।फिल्म का निर्देशन रिया कपूर के पति करण बूलानी कर रहे हैं। यह बतौर निर्देशक उनकी पहली फिल्म है।

भूमि ने अपने पोस्ट के जरिए यह भी साफ कर दिया है कि उनके साथ इस फिल्म में शहनाज और अनिल कपूर भी नजर आने वाले हैं, वहीं अभिनेता करण कुंद्रा भी लंबे समय बाद इस फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं।फिल्म में कॉमेडियन कुशा कपिला भी नजर आएंगी। उन्होंने भूमि के पोस्ट पर लिखा, चलो कलेश शुरू करते हैं। रिया और एकता कपूर ने मिलकर इस फिल्म के प्रोडक्शन का काम संभाला है।

भूमि जल्द ही फिल्म भक्षक में नजर आएंगी। यह सच्ची घटनाओं पर आधारित होगी। इसमें भूमि एक पत्रकार की भूमिका में दिखेंगी। यह महिलाओं पर होने वाले अत्याचार को दिखाती है। फिल्म द लेडी किलर में भूमि की जोड़ी अभिनेता अर्जुन कपूर के साथ बनी है।भूमि के खाते से एक और फिल्म जुड़ी है, जिसमें उन्हें अर्जुन और अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह का साथ मिला है।मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बन रही यह फिल्म कॉमेडी से लबरेज होगी।

भूमि ने 2015 में फिल्म दम लगाके हईशा से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इस फिल्म में उन्होंने एक अधिक वजन वाली दुल्हन का किरदार निभाया था और इसके लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला था। इसके बाद टॉयलेट एक प्रेम कथा और शुभ मंगल सावधान और बधाई दो जैसी कई फिल्मों में भी भूमि के काम को खूब सराहा गया। इससे पहले उन्होंने 6 साल तक यशराज फिल्म्स में बतौर असिस्टेंट कास्टिंग डायरेक्टर काम किया था।

टीआईएफएफ 2023 में होगा थैंक यू फॉर कमिंग का वर्ल्ड प्रीमियर

भूमि पेडनेकर अभिनीत आगामी फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग को टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के जल्द ही आयोजित होने वाले संस्करण में विश्व प्रीमियर के लिए चुना गया है। यह फिल्म एक उभरती हुई कॉमेडी है, जिसका निर्देशन करण बुलानी ने किया है और इसे राधिका आनंद और प्रशस्ति सिंह ने लिखा है। थैंक यू फॉर कमिंग 15 सितंबर, 2023 को रॉय थॉमसन हॉल में महोत्सव में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म में शहनाज गिल, डॉली सिंह, कुशा कपिला, शिबानी बेदी, प्रधुम्न सिंह मॉल, नताशा रस्तोगी, गौतमिक, सुशांत दिवगिकर, सलोनी दैनी, डॉली अहलूवालिया, करण कुंद्रा और अनिल कपूर भी विशेष भूमिका में हैं।

इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए भूमि पेडनेकर ने कहा, यह टीआईएफएफ में मेरा पहला मौका है। मुझे खुशी है कि मैं एक ऐसी फिल्म के साथ वहां जा रही हूं जो मेरे दिल के बहुत करीब है। इसे और खास बनाने वाली बात यह है कि हमें इसके लिए चुना गया है। प्रतिष्ठित रॉय थॉम्पसन हॉल में एक गाला प्रीमियर। एक आधिकारिक चयन के रूप में और हमारे पास देखने के साथ, मैं आने वाले अनुभव के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैंने इतने बड़े और विविध दर्शकों के साथ अपनी फिल्म देखने का अनुभव कभी नहीं किया है। मेरे सह-कलाकारों, निर्देशक करण बुलानी और हमारे निर्माता अनिल कपूर और रिया कपूर के साथ उस रेड कार्पेट पर चलना यादगार होने वाला है।

उन्होंने आगे उल्लेख किया: एक भारतीय अभिनेता के रूप में, मुझे गर्व महसूस होता है कि मैं इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में अपने देश का प्रतिनिधित्व करूंगी। थैंक यू फॉर कमिंग उन युवा लड़कियों की असीम भावना का जश्न मनाती है जो प्यार की तलाश में हैं और कैसे वे चुनने की आजादी के लिए तरसती हैं वे जीवन से क्या चाहते हैं। एक शैली के रूप में कॉमेडी मेरे लिए कठिन है, मुझे लगता है कि टीआईएफएफ में दुनिया भर में रिलीज होने से पहले अपना काम शुरू करने के साथ ही हमारी सारी मेहनत रंग लाने लगी है। यह अपने दिल से एक बहुत ही प्रगतिशील फिल्म है सही जगह पर। यह दुनिया को यह दिखाने का हमारा मौका है कि भारत में सिनेमा आज की महिलाओं का जश्न कैसे मना रहा है और उन्हें कैसे चित्रित कर रहा है।

उसी के बारे में बात करते हुए, रिया कपूर ने साझा किया: यह इस पीढ़ी के लिए एक फिल्म है और हम टीआईएफएफ 2023 में अपनी फिल्म का विश्व प्रीमियर करके बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं। अपनी अपरंपरागत कहानी और साहसिक दृष्टिकोण के साथ भी, यह फिल्म एक बेहतरीन फिल्म है। और बॉलीवुड मनोरंजन, मस्ती और संगीत से भरपूर, इसलिए यह इस चयन को और अधिक मधुर बनाता है! यह एक ऐसी फिल्म है जिस पर मुझे बेहद गर्व है और हम इससे बेहतर किक-स्टार्ट की उम्मीद नहीं कर सकते थे। मुझे काम करने का सौभाग्य मिला है लड़कियों के सबसे प्रतिभाशाली समूह के साथ जिन्होंने इस फिल्म को बनाने में अपना दिल और आत्मा लगा दी है और हम यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते कि हमने क्या बनाया है। थैंक यू फॉर कमिंग तीस साल की एक अकेली लड़की कनिका कपूर की कहानी है, जो सच्चे प्यार और खुशी की तलाश में है।

मैं वास्तव में यह घोषणा करते हुए रोमांचित हूं कि हमारी फिल्म, प्रतिष्ठित टीआईएफएफ मंच की शोभा बढ़ाने के लिए तैयार है। यह परियोजना मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखती है, और मैं उस पल का उत्सुकता से इंतजार कर रहा हूं जब मैं इसे समझदार वैश्विक दर्शकों के सामने पेश कर सकूंगा। अवसर इस तरह के प्रतिष्ठित महोत्सव का हिस्सा बनना एक अत्यंत सम्मान की बात है, और मैं इसे मिलने वाली प्रतिक्रिया और स्वागत का इंतजार कर रहा हूं, बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड की संयुक्त प्रबंध निदेशक एकता आर. कपूर ने कहा। बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड और अनिल कपूर फिल्म कम्युनिकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित। लिमिटेड, थैंक यू फॉर कमिंग 6 अक्टूबर, 2023 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

विश्व की पहली वैज्ञानिक भाषा संस्कृत

ललित चतुर्वेदी

संस्कृत दिवस श्रावण पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम् द्वारा राज्य स्तर पर सप्ताह का आयोजन रक्षाबंधन के 3 दिन पूर्व और 3 दिवस बाद तक किया जाता है। विभिन्न जयंतियों वाल्मिकि जयंती, कालीदास जयंती, गीता जयंती, गुरू पूर्णिमा का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के विद्यालयों की सक्रिय सहभागिता रहती है। संस्कृत दिवस के दिन वेद शास्त्रों की पूजा एवं महत्ता पर चर्चा एवं विद्वत्संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है। परंतु इस साल कोरोना महामारी के चलते आयोजन नहीं किए जा रहे है।

भारत की प्राचीनतम भाषा संस्कृत में भारत का सर्वस्व सन्निहित है। देश के गौरवमय अतीत को हम संस्कृत के द्वारा ही जान सकते हैं। संस्कृत भाषा का शब्द भण्डार विपुल है। यह भारत ही नहीं अपितु विश्व की समृद्ध एवं सम्पन्न भाषा है। भारत का समूचा इतिहास संस्कृत वाड्मय से भरा पड़ा है। आज प्रत्येक भारतवासी के लिए विशेषकर भावी पीढ़ी के लिए संस्कृत का ज्ञान बहुत ही आवश्यक है।

संस्कृत भाषा ने अपनी विशिष्ट वैज्ञानिकता के कारण भारतीय विरासत को सहेजकर रखने में अपना अप्रतिम योगदान दिया है। संस्कृत ऐसी विलक्षण भाषा है जो श्रुति एवं स्मृति में सदैव अविस्मरणीय है। अतिप्राचीन काल में संरक्षित-संग्रहित भारत की यह विपुल ग्रंथ सम्पदा संस्कृत के कारण ही सुरक्षित रही है। संस्कृत की महत्ता को सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारा है। संस्कृत को भारतीय शिक्षा में अनिवार्य करना आवश्यक है। शिक्षा में इसकी अनिवार्यता को लेकर केन्द्रीय संस्कृत आयोग ने 1959 में - माध्यमिक स्कूलों में संस्कृत को अनिवार्य शिक्षा करने के साथ मातृभाषा तथा क्षेत्रीय भाषा पढ़ाई जाने की अनुशंसा की। संस्कृत शाला एवं संस्कृत महाविद्यालय प्रारंभ करने के लिए शासन द्वारा ९० प्रतिशत की छूट भी प्रदान की गई है।

संस्कृत परिष्कृत, संस्कारित एवं वैज्ञानिक भाषा है। आदिकाल से वेद, रामायण, महाभारत सहित विशिष्ट विषयों को भारतीय मस्तिष्क में संस्कृत के संबल पर सहेज कर रखा है। वेद, रामायण, महाभारत आदि ग्रंथ श्रुति एवं स्मृति परिचारों में सुरक्षित रखते हुए आज लिपिबद्ध रूप में गोचर हो रहे हैं। इससे बड़ा प्रमाण कोई नहीं हो सकता।

संस्कृत भाषा का अपना एक वैज्ञानिक महत्व है। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार संस्कृत एक सम्पूर्ण वैज्ञानिक भाषा है। प्राचीन भारत में बोल-चाल की भाषा में संस्कृत का ही उपयोग किया जाता था। इससे नागरिक अधिक और मानसिक रूप से अधिक संतुलित रहा करते थे। संस्कृत के मंत्रों का उच्चारण करते समय मानव स्वास्थ्य पर विशेष प्रभाव पड़ता है। मंत्रोच्चार के समय वाइब्रेशन से शरीर के चक्र जागृत होते हैं और मानव का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। बहुत सी विदेशी भाषाएं भी संस्कृत से जन्मी हैं। फ्रेंच, अंग्रेजी के मूल में संस्कृत निहित है। संस्कृत में सबसे महत्वपूर्ण शब्द %ऊँ' अस्तित्व की आवाज और आंतरिक चेतना एवं ब्रम्हाण्ड का स्वर है। प्राचीन धरोहर की खोज करने का मुख्य मापदण्ड संस्कृत है। संस्कृत की महत्ता को देखते हुए जर्मनी में 14 से अधिक विश्व विद्यालयों में संस्कृत का अध्ययन कराया जाता है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का कहना है कि हमारे वेद पुराण और गीता आदि संस्कृत में लिखे गए हैं। हमें अपनी जड़ों को नहीं भूलना चाहिए। संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए राज्य शासन द्वारा हर संभव सहयोग दिया जा रहा है। बघेल ने मुख्यमंत्री बनने के बाद गत वर्ष माघ पूर्णिमा के अवसर पर संस्कृत विद्वत्सम्मान एवं मेधावी छात्रों का सम्मान किया था। छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार के प्रयास से संस्कृत शिक्षा की प्रगति हो रही है। संस्कृत अध्ययन प्रोत्साहन राशि संस्कृत शालाओं में पढ़ने वाले उत्तर मध्यमा स्कूल प्रथम वर्ष कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों को दी गई। इससे कक्षा पहली, छठवीं और 9वीं को दी गई थी। गैर अनुदान प्राप्त संस्कृत शालाओं को स्तरवार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस वर्ष से गैर अनुदान प्राप्त विद्यालयों को उनके प्रत्येक स्तर को जोड़ते हुए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। प्रवेशिका प्राथमिक स्तर को १० हजार रूपए प्रतिवर्ष, प्रथमा मिडिल स्तर को २० हजार रूपए प्रतिवर्ष, पूर्व मध्यमा प्रथम एवं उत्तर मध्यमा प्रथम (हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी) को ४० हजार रूपए प्रतिवर्ष की दर से राशि प्रदान की जाती है। केन्द्रीय जेल रायपुर में संस्कृत पाठशाला संचालित की जा रही है और इस वर्ष अम्बिकापुर में भी संस्कृत पाठशाला शुरू की गई है। पन्द्रह वर्ष बाद संस्कृत उत्तर मध्यमा कक्षा को छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा कक्षा 12वीं के समकक्ष मान्यता प्रदान की गई।

भारतीय विरासत के संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के दिग्दर्शन में आयुर्वेद, योग, प्रवचन, वेद, ज्योतिष जैसे संस्कृत के वैज्ञानिक विषयों का अध्ययन-अध्यापन संस्कृत पाठशालाओं में किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ की संस्कृत पाठशालाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को संस्कृत में शास्त्रों के अध्ययन के साथ-साथ आधुनिक विषयों जैसे गणित, विज्ञान, वाणिज्य आदि का समन्वित ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं। प्रदेश में संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने में समर्थ हैं।

प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम् डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम संस्कृत के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत् है। राज्य के पांच जिलों में संचालित आठ शासकीय अनुदान प्राप्त विद्यालयों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इनमें रायपुर के गोलबाजार में संचालित श्रीराम चन्द्र संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बिलासपुर में निवास संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रायगढ़ जिले के लैलुंगा में रामेश्वर गहिरा गुरू संस्कृत पूर्व माध्यमिक विद्यालय, रायगढ़ के गहिरा में रामेश्वर गहिरा गुरू संस्कृत पूर्व माध्यमिक विद्यालय और गहिरा में ही रामेश्वर गहिरा गुरू संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जशपुर जिले दुर्गापारा में रामेश्वर गहिरा गुरू संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सामरबार और रामेश्वर गहिरा गुरू संस्कृत पूर्व माध्यमिक विद्यालय सामरबार, बलरामपुर जिले के जवाहर नगर में रामेश्वर गहिरा गुरू संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय श्रीकोट शामिल हैं।

जंप सूट में कहर ढा रही हैं बिग बॉस फेम हिना खान

टीवी एक्ट्रेस हिना खान हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण फैंस के बीच चर्चाएं बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीरों पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कर फैंस को अपने हुस्न का दीवाना बना दिया है। एक्ट्रेस हिना खान फैशन आइकॉन हैं। उनका हर एक स्टाइलिश अवतार फैंस के बीच काफी ट्रेंड करता है। हाल ही में हिना खान ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर लोगों के दिलों की धड़कनें तेज कर दी हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमरस अवतार देखकर एक बार फिर से फैंस के पसीने छूट गए हैं। हिना खान ने अपने इस फोटोशूट के दौरान ऑरेंज कलर का जंपसूट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ग्लैमरस नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस का ये लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है, साथ ही फैंस उनके इस हॉल्टर नेक वाले स्टाइल को फॉलो भी कर रहे हैं। कानों में इयररिंग्स, हाई पोनीटेल, न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने इस लुक पर चार चांद लगा दिया है। हालांकि फैंस का भी उनके इस कातिलाना अंदाज को देखकर दिल मचल गया है।

एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो लोग उनके हर एक लुक पर दिलखोलकर प्यार प्यार लूटाते हैं। बता दें कि एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को शेयर हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 1 लाख से भी ज्यादा लोगों ने लाइक कर दिया है।

सू- दोकू क्र.015

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.14 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

पवित्रता से परमार्थ की कामना ही प्रार्थना

नरपत दान बारहठ

हर कोई प्रार्थना तो करता ही है। प्रार्थना के लिए ही मन्दिर, मस्जिद, गिरजा बने हैं। वैसे प्रार्थना के लिए भौतिक स्थान से ज्यादा जरूरी है- हृदय का स्थान, त्याग और प्रेम। अक्सर लोग अपने हिसाब से प्रार्थना करते हैं। यानी प्रार्थना का रूप भिन्न होता है। कोई धन के लिए, कोई यश के लिए, कोई स्वास्थ्य के लिए, कोई सुख के लिए याचना करता है, और कहता है- मैंने प्रार्थना कर ली है।

यह ठीक नहीं है। फिर कोई सोचता है कि प्रार्थना में भावना प्रधान होती है। यानी प्रार्थना के लिए भावना कैसी, कितनी पवित्र और प्रबल है, यह जरूरी है। लगभग हर आदमी के लिए प्रार्थना के मायने अलग-अलग हैं। अब मूल प्रश्न सामने आता है कि सही अर्थ में प्रार्थना के मायने क्या हैं क्योंकि हर कोई प्रार्थना करता तो है, लेकिन हर कोई प्रार्थना के मायने नहीं जानता। प्रार्थना महज पवित्र भावना नहीं है। भावना मन की होती है। प्रार्थना के लिए भाव तत्व एक अंश है, लेकिन यह पूर्णता नहीं है। हृदय में पूर्ण तत्वों के समाहार बिना प्रार्थना पूर्ण नहीं है और ना ही वह स्वीकार्य है।

जैसे कि कोई व्यक्ति एक रास्ते से निकल रहा है। उसी रास्ते के किनारे पर कोई घायल व्यक्ति गिरा पड़ा है, तड़प रहा है, अगर वह इनसान उसे देखकर भी अनदेखा कर आगे निकल गया, तो वह एक प्रार्थना शून्य हृदय है। लेकिन अगर प्रार्थना से पूर्ण हृदय वाला कोई उस रास्ते से गुजरेगा तो वह रुकेगा, उस घायल के पास जाएगा, फिर वह जो कर सकेगा, करेगा, वह जो गिर गया है, उसे उठाएगा या किसी और को उसकी सहायता के लिए आवाज देगा। इतना ही नहीं, वह उसके परिवार की भी चिंता करेगा, दौड़ेगा, उसे कहीं अस्पताल पहुंचाएगा।

ठीक इसी तरह अगर रास्ते पर पत्थर या कांटे पड़े हैं तो एक प्रार्थना शून्य हृदय उनसे बचकर निकल जाएगा। उनको हटाएगा नहीं। वहीं प्रार्थना से पूर्ण हृदय उन कांटों को रास्ते से दूर फेंकेगा। इस तरह देखें तो प्रार्थना पूर्ण हृदय का एक अर्थ हुआ-प्रेमपूर्ण सद्भाव से भरा हृदय। यानी जब किसी व्यक्ति का हृदय का स्वभाव सद्भावना से पूर्ण और प्रेम युक्त होकर समस्त के प्रति बंधा होता है, तब उसे प्रार्थना कहना होगा। दूसरे अर्थ में प्रार्थना का अर्थ होगा-दूसरे की पीड़ा महसूस करने की क्षमता, दूसरों की भलाई की कामना और किसी का दिल न दुखे, ऐसी भावना अपने भीतर बसाना। ऐसी प्रार्थना आत्मा के अहसास से होती है।

इसे एक कहानी से समझ सकते हैं। एक फकीर था। उम्र भर मस्जिद में प्रार्थना की। अब वो बूढ़ा हो गया। एक दिन लोगों ने उसे मस्जिद में नहीं देखा तो सोचा शायद मर गया है। सभी लोग उसके घर गए। वह फकीर घर के आगे बैठा था। खंजड़ी बजाकर गीत गा रहा था। लोगों ने कहा-यह तुम क्या कर रहे हो आखिरी वक्त भगवान को भूल गए। प्रार्थना नहीं करोगे। उस फकीर ने कहा-प्रार्थना के कारण ही आज मस्जिद न आ सका। उन्होंने कहा-क्या मतलब, मस्जिद नहीं आए प्रार्थना के कारण। बिना मस्जिद के प्रार्थना हो कैसे सकती है उस आदमी ने अपना सीना खोल दिया, उसके सीने में एक नासूर हो गया है, उसमें कीड़े पड़ गए हैं!

उसने कहा कि कल मैं गया था मस्जिद और जब प्रार्थना करने के लिए झुका तो कुछ कीड़े मेरे सीने से नीचे गिर गए... और यह देखकर मुझे ख्याल आया कि ये तो मर जाएंगे, बिना नासूर के कैसे जिएंगे। आज मैं झुक नहीं सकता, प्रार्थना के कारण मस्जिद न आ सका। अब सब चुप थे। यह कहानी कम लोगों को समझ आएगी। जिनको समझ आएगी वो समझ जाएंगे कि बिना विचारों की गहनता, बिना भावों की उदात्तता, बिना हृदय की विशालता व बिना पवित्रता एवं परमार्थ भाव वाली प्रार्थना, प्रार्थना नहीं कही जा सकती। यह उथली प्रार्थना है।

प्रार्थना तभी फलित होगी, जब हमारा मन राग-द्वेष से मुक्त हो जाए।

जिले के विकास कार्यो पर ध्यान केंद्रित करें अधिकारीः आयुक्त

संवाददाता

हरिद्वार। गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने अधिकारियों को जिले के विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए है। जिले की कानून व्यवस्था को लेकर भी फीडबैक लिया। रविवार को डामकोठी में मंडलायुक्त ने हरिद्वार जिले में विकास और कानून व्यवस्था को लेकर अफसरों के साथ चर्चा की। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि जिले के बड़े मुद्दे जो कानून व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं, उनको लेकर अधिकारियों से जानकारी ली गई। अधिकमास और कलियर शरीफ के मेले का भी आयोजन होना है। जिले की 50 लाख से ऊपर की योजनाओं को लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिए गए हैं। जल जीवन मिशन के काम तय समय में करने को कहा गया। बैठक में सीडीओ प्रतीक जैन, एडीएम पीएल शाह, एचआरडीए उपाध्यक्ष अंशुल सिंह, एसडीएम अजय वीर सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट प्रेम लाल, सीओ ट्रैफिक राकेश रावत, सीओ सिटी जूही मनराल आदि मौजूद रहे। आयुक्त ने कहा कि मंडल में आपदा के दौरान अधिकारियों ने अलर्ट रहकर कार्य किया। लोगों का सही समय पर रेस्क्यू किया गया। रास्तों को सही कर लोगों को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई। केंद्र सरकार की टीम आपदा ग्रस्त इलाकों का सर्वे करके गई है। तात्कालिक सहायता जिला प्रशासन और राज्य सरकार की तरफ से प्रभावित लोगों को दी गई है। आपदा में नुकसान की विस्तृत रिपोर्ट शासन को मिली है। रिपोर्ट के अनुसार जल्दी धनराशि अवमुक्त की जाएगी। कांगड़ा में भू-कटाव का स्थाई समाधान निकाला जाएगा। गढ़वाल आयुक्त ने बताया कि बेलड़ा प्रकरण पर भी बैठक में चर्चा हुई है। प्रकरण पर शासन और प्रशासन निगाह रखे हुए हैं। ठीक समय पर सही निर्णय बेलड़ा प्रकरण में लिया जाएगा। बेलड़ा में ग्यारह जून को युवक की मौत के अगले दिन बवाल हो गया था। अब भी यह मामला चल रहा है।

मकान से चोरी कर भाग रहे दो दबोचे, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मकान से चोरी कर भाग रहे दो लोगों को क्षेत्रवासियों ने पकड पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने दोनों के कब्जे से चोरी का सामान बरामद कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तेलपुर बुलाकीवाला निवासी लक्ष्मी बिजल्वाण ने विकासनगर कोतवाली पुलिस को सूचना दी कि वह बाजार गयी थी जब वह वापस आयी तो उसने देखा कि उसके घर के अन्दर से दो युवक बाहर की तरफ आ रहे थे उसने जब उनको आवाज लगायी तो वह उसको देखकर भाग खडे हुए। उसके शोर मचाने पर आसपास के लोग वहां पर एकत्रित हुए और उन्होंने पीछा कर दोनों को पकड लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो दोनों को गिरफ्तार कर उनकी तलाशी ली तो उनके कब्जे से चोरी किये गये जेवरात, मोबाइल फोन, नगदी, आधार कार्ड, पासबुक आदि सामान बरामद कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम खुशनसीब पुत्र दिलखुश निवासी छरबा सहसपुर व इजहार पुत्र गुलशेर निवासी ढाकी छरबा सहसपुर बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जिलाधिकारी के निर्देशन में बनाया गया बणतोली में वैकल्पिक पुल

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने अवगत कराया है कि दिनांक 14 अगस्त, 2023 को समय प्रातः 6:45 बजे मदमहेश्वर जाने वाले रास्ते बणतोली नामक स्थान पर मोरकंडा नदी पर बना हुआ लोहे का पुल बह गया था। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशन में लोनिवि द्वारा वैकल्पिक पुल का निर्माण कर दिया गया है जिसमें स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से वैकल्पिक पुल को तैयार कर आवाजाही शुरू हो गई है। जिससे क्षेत्रीय ग्रामीणों एवं मदमहेश्वर जाने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं होगी।

पुरानी पेंशन की मांग को लेकर सांसद कार्यालय पर किया प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर, एनएमओपीएस उत्तराखंड से जुड़े कर्मचारियों ने रविवार को हरिद्वार सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक के कार्यालय पर घंटी और शंख बजाकर प्रदर्शन किया। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के प्रांतीय अध्यक्ष जीतमणि पैन्यूली के नेतृत्व में कार्मिक रविवार सुबह गांधी शताब्दी अस्पताल के पास एकत्रित हुए। यहां से उन्होंने सांसद निशंक के कार्यालय तक जुलूस निकाल पुरानी पेंशन के समर्थन में नारे बाजी की। सांसद की गैरमौजूदगी में उनके प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा गया, साथ ही तय कार्यक्रम के मुताबिक घंटी ओर शंख बजाकर अपनी बात रखी गई। इस मौके पर पैन्यूली ने कहा कि कर्मचारी शांतिपूर्वक तरीके से पुरानी पेंशन बहाली को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को सांसदों को ज्ञापन दिया गया।

हल्द्वानी में भी स्थानीय इकाई ने सांसद और केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट को ज्ञापन सौंपकर सरकार तक अपनी बात पहुंचाई है। महामंत्री मुकेश रतूड़ी ने कहा कि अब भी सरकार नहीं जागी तो 2024 के लोकसभा चुनावों में वोट फॉर ओपीएस चलाया जाएगा, सभी कर्मचारी एकजुट होकर अपने मत का प्रयोग करेंगे। वक्ताओं ने सभी से एक अक्टूबर को प्रस्तावित दिल्ली चलो अभियान को सफल बनाने की भी अपील की। इस मौके पर कोषाध्यक्ष शांतनु शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगमोहन सिंह रावत, प्रवक्ता सूर्य सिंह पवार, मीडिया प्रभारी मनोज अवस्थी के साथ ही हर्षवधन जमलोकी, कीर्ति भट्ट, हेमलता काजलिया, अमित शेखर नेगी, रुचि पैन्यूली, पुष्कर राज बहुगुणा, संतोष कुमार, सुनील गुसाईं, संजीव गुसाईं, रणजीत सिंह, रमेश बर्थवाल, बच्ची सिंह, पुष्कर सिंह नेगी उपस्थित रहे।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार त्यूणी पुलिस ने अटाल बाजार के पास दो युवकों को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उनको रूकने का इशारा किया गया तो वह पुलिस को देख भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर उनके थैलों से पुलिस ने 13 बोतल शराब बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम श्यामलाल पुत्र चतर सिंह निवासी रमदाडा पोस्ट टेलर थाना नेरवा शिमला व नवीन बिष्ट पुत्र गगन बिष्ट निवासी जाजरकोट नेपाल बताया।

लाटरी के नाम पर ठगे 89 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। लाटरी के नाम पर 89 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बल्लूपुर निवासी रोहित ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 21 जुलाई 2023 को उसके मोबाईल नम्बर पर फोन आया कि उसकी लॉटरी लगी है जिसमें उसको एक फोन व सोने का सिक्का मिलना है जिसके लिए उनके द्वारा उसको व्हटसएप पर मैसेज किया कि वह बल्यू डॉट कोरियर सर्विस से बोल रहे है सामान भेजने के लिए उसको 15000 रुपया जमा करने होंगे जिसके लिए उनके द्वारा गुगलपे नम्बर दिया गया जिस पर उसके द्वारा उनके बताये अनुसार उक्त खाते में पहले 1 रुपया फिर 15000 रुपया जमा कराये गये तथा उसके दो-तीन घन्टे बाद उक्त कोरियर वाले ने फिर फोन किया कि आपका सामान कस्टम वालो ने पकड लिया आप कस्टम विभाग से बात करो जिनके द्वारा बात करने पर उनके द्वारा उसको कहा कि उसको कस्टम का पैसा जमा करना पडेगा नहीं तो उसको कस्टम वाले पकड लेंगे जिस कारण उनके द्वारा डरा धमका कर उससे समय-समय पर पैसे की मांग करते हुए उससे 89 हजार रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कैंटर के अन्दर तस्करी कर लाई जा रही 800 पेटी बियर बरामद, दो अरेस्ट

हमारे संवाददाता

नैनीताल। कैंटर के अन्दर अवैध रूप से छुपा कर लाई जा रही 800 पेटी बियर सहित पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

मामला मुक्तेश्वर थाना क्षेत्रांर्तगत चौकी धानाचूली क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना मुक्तेश्वर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ तस्कर भारी मात्रा में बियर सप्लाई हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस चौकी धानाचुली चैकपोस्ट पर एक संदिग्ध कैंटर आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो

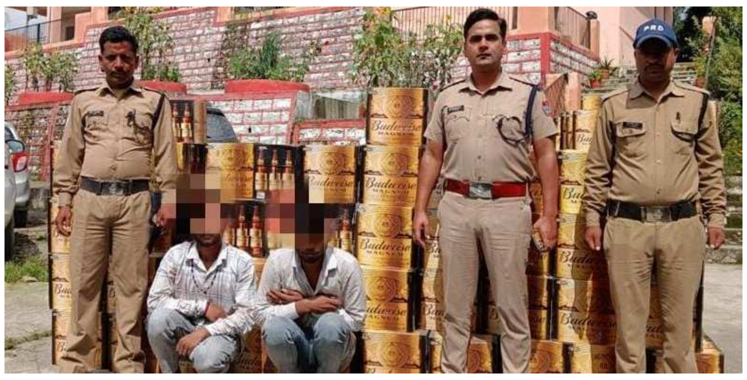

उसमें बैठा ड्राइवर व एक व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। कैंटर की तलाशी के दौरान पुलिस ने उसमें रखी 800 पेटी बटवाइजर बियर बरामद की। पूछताछ में पकड़े गये लोगों ने अपना नाम राहुल पुत्र सोमपाल निवासी बरहनी बाजपुर उधमसिंह व संजय आर्य पुत्र कैलाश आर्य निवासी आईटीआई कॉलोनी थाना बनभूलपुरा बताया। पुलिस ने उन्हे आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया है।

एक नजर

जेएंडके बैंक लिमिटेड के मुख्य प्रबंधक सज्जाद अहमद बजाज बर्खास्त

श्रीनगर। जम्मू एंड कश्मीर बैंक लिमिटेड ने अपने मुख्य प्रबंधक सज्जाद अहमद बजाज को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया। बैंक प्रबंधन ने बजाज की तत्काल बर्खास्तगी के पीछे 'देश की सुरक्षा हित' को वजह बताया है, जो अपनी तरह का पहला मामला है। सज्जाद अहमद बजाज अपने करियर के शिखर पर थे। एक कुशल लेखक सज्जाद को वर्ष 1990 में जम्मू-कश्मीर सरकार के स्वामित्व वाली जेएंडके बैंक में कैशियर-कम-क्लर्क के रूप में नियुक्त किया गया था। आगे चलकर वर्ष 2004 में उन्हें आंतरिक संचार प्रमुख के रूप में पदोन्नत किया गया था।

सूत्रों के मुताबिक, ऐसा प्रतीत होता है कि मौजूदा बैंक प्रबंधन को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि बजाज पाकिस्तान के सबसे महत्वपूर्ण एसेट में से एक था, जो गुप्त रूप से आईएसआई और आतंकी संगठनों के लिए काम कर रहा था। सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद शीर्ष जांचकर्ता आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर गहरे छुपे आईएसआई के एसेट्स की कड़ियों की जांच कर रहे थे, तभी बजाज का नाम सामने आया।

सूत्रों के मुताबिक, एक महीने की लंबी और मुश्किल जांच के बाद वे हैरान रह गए। जांचकर्ताओं ने कहा कि मूल रूप से बटमालू श्रीनगर के रहने वाले सज्जाद अहमद बजाज को वर्ष 1990 में ग्रेटर कश्मीर अखबार के मालिक और संपादक फैयाज कालू के माध्यम से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा जेएंडके बैंक में लगाया गया था। जम्मू-कश्मीर बैंक में सज्जाद की नियुक्ति कैशियर-कम-क्लर्क के पद पर थी। वर्ष 2004 में उन्हें अचानक ऐसे पद पर पहुंचा दिया गया जो बेहद संदिग्ध लगा, लेकिन सिस्टम में तब बड़ी और गहरी पैठ के कारण इस पर कोई आपत्ति नहीं हुई।

नीलाम होगा सनी देओल का बंगला

मुंबई। अपनी फिल्म 'गदर 2' को लेकर सुर्खियों में रहने वाले सनी देओल को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्टस की माने तो, लोकसभा सांसद और एक्टर सनी देओल को बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से नोटिस जारी किया है। बताया जा रहा है कि एक्टर पर करीब 56 करोड़ के बकाया राशि को लेकर नोटिस भेजा गया है। खबर है कि इस लोन में गारंटर में सनी देओल के पिता और एक्टर धर्मेंद् का नाम लिखा गया है। बैंक की ओर से सनी देओल को 56 करोड़ रुपये और ब्याज की रिकवरी का नोटिस दिया गया है। रकम की अदायगी न होने पर जुहू के सनी विला की बिक्री का नोटिस लगाया गया है। हालांकि, 11 अगस्त को रिलीज हुई उनकी फिल्म 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में तहलका मचा रखा है। ऐसे में उनके ऊपर करोड़ों का बकाया न चुकाने का आरोप काफी हैरान करने वाला है। एक्टर की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस 9 दिनों के अंदर 300 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है।

करजई ने की अफगानिस्तान में लड़कियों के स्कूल व विश्वविद्यालय खोलने की अपील

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने देश की 104वीं आजादी की सालगिरह पर तालिबान से लड़कियों के स्कूलों और विश्वविद्यालयों को फिर से खोलने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि सच्ची आजादी के लिए सभी के लिए शैक्षिक पहुंच की आवश्यकता है। खामा प्रेस ने बताया कि करजई ने ज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बात की और जोर दिया कि शांति, स्थिरता, विकास और स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है। करजई ने सभी से लड़कियों सहित अपने बच्चों को शिक्षित करने का आग्रह किया. उन्होंने तालिबान से लड़कियों के लिए स्कूल खोलने और सच्ची आजादी के लिए राष्ट्रव्यापी शिक्षा को बढ़ावा देने का आह्वान किया। करजई ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि हमारे देश के सभी लोग अपने बच्चों, जिनमें लड़के और लड़कियां दोनों शामिल हैं, को शिक्षित करने में कोई कसर न छोड़ें। इस ऐतिहासिक दिन पर, मैं एक बार फिर तालिबान से लड़कियों के लिए स्कूलों और विश्वविद्यालयों के द्वार जल्द से जल्द खोलने और पूरे देश में सभी के लिए शिक्षा प्रदान करने के लिए कहता हूं, ताकि दूसरों पर निर्भरता से छुटकारा पाकर हम वास्तविक रूप से आजादी हासिल कर सकें।

पाकिस्तान के मुल्तान शहर से आई मुल्तान जोत हरिद्वार पहुंची, हर की पैड़ी पर मां गंगा के साथ खेली दूध की होली

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पाकिस्तान के मुल्तान शहर से आई मुल्तान जोत हरिद्वार पहुंची। धूमधाम के साथ मुल्तान जोत महोत्सव मनाया गया। बड़ी संख्या में मुल्तान समाज के लोगों ने हर की पैड़ी पर मां गंगा के साथ दूध की होली खेली और गंगा पूजन के साथ हवन यज्ञ भी किया। कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल की ओर से भी ज्योति प्रज्वलित कर यात्रा को रवाना किया। अखिल भारतीय मुल्तान युवा संगठन से जुड़े लोग आजादी से पहले वर्ष 1913 से पाकिस्तान के मुल्तान शहर से मुल्तान जोत हरिद्वार लाते आ रहे हैं। इस बार उनके द्वारा 113 वां मुल्तान जोत महोत्सव मनाया गया है। जिसके लिए सुबह उनकी ओर से धूमधाम के साथ हर की पैड़ी पर मां गंगा के साथ दूध की होली खेली गई। संगठन से जुड़े लोगों ने बताया कि मां गंगा से सनातन धर्म की रक्षा, आपसी भाईचारे को बनाए रखने और विश्व शांति की कामना लेकर ही मुल्तान जोत महोत्सव मनाया जाता है। वर्षभर उन्हें इस दिन का इंतजार रहता है और इस महोत्सव के जरिए भारत और पाकिस्तान के लोगों को मिलने का अवसर भी प्राप्त होता है। उधर, श्री सावन जोत सभा की ओर से भी विशाल शोभायात्रा भजन गढ़ आश्रम से भीमगोड़ा के लिए निकाली गई। जिसमें उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने ज्योति प्रज्वलित करके झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया।

उन्होंने सभी के लिए मां गंगा की कृपा और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद बने रहने की कामना की। डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने सभा की ओर से इस परंपरा को आगे बढ़ाने की सराहना की। उन्होंने कहा कि अखंड भारत के मुल्तान जिला, जो अब पाकिस्तान में है, वे इस परंपरा को निभा रहे हैं। उन्होंने 24वें वार्षिक उत्सव की बधाई दी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वर्ष 1910 से यह परंपरा चली आ रही है। इस मौके पर रूपचंद व अजय मुल्तान से पैदल चलकर हरिद्वार आते थे, मुल्तानी समाज उसी परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। इस अवसर पर सभा के प्रधान किशोर नागपाल, ईश्वर अग्रवाल, चेयरमैन कैलाश सचदेवा, सचिव जितेंद्र कटारिया, कोषाध्यक्ष गुरुशरण चौधरी, अजय दीवान, विजय दीवान, लव सेतिया, दीपक बुग्गरा, महंत मोहन सिंह आदि मौजूद रहे।

केदारनाथ धाम में निरन्तर की जा रही है बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी योगेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए अवगत कराया है कि प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु तथा जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए श्री केदारनाथ धाम व पैदल यात्रा मार्ग में निरंतर सफाई व्यवस्था की जा रही है ताकि श्री केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने अवगत कराया कि श्री केदारनाथ धाम व पैदल यात्रा मार्ग में फैले कूड़े व प्लास्टिक कचरे को एकत्रित कर उचित निस्तारण किए जाने हेतु सोनप्रयाग काम्पेक्टर मशीन में भेजा जा रहा है। इसके लिए सुलभ इंटरनेशनल ने 100 स्वस्थ घोड़े-खच्चर लगाए गए हैं जिनके द्वारा श्री केदारनाथ धाम व यात्रा मार्ग में एकत्रित किए गए प्लास्टिक कचरे को सोनप्रयाग काम्पेक्टर मशीन में भेजा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि केदारनाथ धाम मे नगर पंचायत केदारनाथ सुलभ इंटरनेशनल द्वारा निरन्तर सफाई व्यवस्था की जा रही है। सफाई व्यवस्था में तीर्थ पुरोहितों एवं स्थानीय व्यापारियों का भी सहयोग मिल रहा है। सुलभ इंटरनेशनल के इंचार्ज धनंजय पाठक ने अवगत कराया है कि श्री केदारनाथ धाम व पैदल यात्रा मार्ग में निरंतर सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि अब तक केदारनाथ धाम व यात्रा मार्ग से लगभग 300 क्विंटल प्लास्टिक कूड़ा एकत्रित किया गया है जिसको उचित निस्तारण हेतु सोनप्रयाग काम्पेक्टर मशीन हेतु भेजा जा रहा है।

बागेश्वर विधानसभा उपचुनाव के लिए मैदान में उतरेंगे कांग्रेस के 40 स्टार प्रचारक

देहरादून (सं)। बागेश्वर विधानसभा सीट पर उप चुनाव को लेकर कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इसमें प्रदेश प्रभारी से लेकर वरिष्ठ नेताओं, विधायकों और अनुषांगिक संगठनों के अध्यक्षों को शामिल किया गया है। बागेश्वर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए पांच सितंबर को वोट डाले जाएंगे। पूर्व प्रत्याशी रंजीत दस के भाजपा में शामिल होने के बाद कांग्रेस ने इस सीट पर आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रत्यशी बसंत कुमार पर दांव खेला है। बसंत कुमार ने आप को छोड़ कांग्रेस का दामन थाम लिया हैप् भाजपा पहले ही चुनाव प्रचार के लिए प्रचारकों को मैदान में उतार चुकी है। प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन एवं प्रशासन मथुरादत्त जोशी ने बताया कि स्टार प्रचारकों की पहली सूची में प्रदेश स्तरीय नेताओं को शामिल किया गया है। इसमें प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व सीएम हरीश रावत, पूर्व अध्यक्ष गणेश गोदियाल, प्रीतम सिंह सहित सभी 19 विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री और अनुषांगिक संगठनों के अध्यक्षों के नाम शामिल हैं।

आयकर विभाग में नौकरी के नाम पर ठगे 10.75 लाख

हमारे संवाददाता

देहरादून। आयकर विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर दून निवासी एक युवक से 10.75 लाख रुपये ठग लिए गए। पुलिस ने मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, पवन कुमार पुत्र शंभू प्रसाद निवासी सीमाद्वार ने तहरीर दी कि उसकी मुलाकात कुछ समय पहले टीकम सिंह राठौर पुत्र खुशीराम राठौर निवासी फॉरेस्ट कालोनी जलगम निदेशालय मलिक चौक सीमाद्वारा के साथ हुई थी। व्यक्ति ने बताया कि वो आयकर विभाग में नौकरी करता है। व्यक्ति ने पवन को बताया कि आयकर विभाग में भर्तियां निकली हैं। उसकी जान पहचान बड़े अधिकारियों से है, लिहाजा वो विभाग में नौकरी लगा सकता है। उसने बताया कि कंप्यूटर ऑपरेटर पद पर नियुक्ति मिल जाएगी, लेकिन इस की एवज में 10.75 लाख रुपये देने होंगे। पवन ने बताया कि झांसे में आकर उसने अलग-अलग किस्तों में उसे रुपये दे दिए। आरोप है कि व्यक्ति कुछ समय तक नौकरी दिलाने का आश्वासन देता रहा, लेकिन बाद में उसने फोन उठाना बंद कर दिया। न ही उसे रकम लौटाई गई।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।